राज्यपाल सचिवालय

राजभवन जयपुर

बाबा रामदेव नेत्र कुंभ - 2025

दुनिया में वही पूज्य होता हैए जो जनकल्याण के लिए कार्य करता है - राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे

भारतीय संस्कृति में सेवा को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और यह नेत्र कुंभ उसी सेवा भाव का जीवंत प्रतीक है

आँखें ईश्वर का अनमोल उपहार हैंए जो जीवन को देखने और उसे पूर्णता से जीने की शक्ति देती हैं

जयपुर/ जैसलमेर 01 सितम्बर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दुनिया में वही पूज्य होता हैए जो जनकल्याण के लिए कार्य करता है। उन्होंने कहा कि बाबा रामदेव जी ने जीवनभर गरीबों एवं वंचितों की सेवा की और सभी मानवों की समानता में विश्वास रखा। बाबा के अनुयायी देशभर के विभिन्न राज्यों सहित पाकिस्तान के सिंध क्षेत्र से भी श्रद्धा के साथ यहां पहुंचते हैं। मुसलमान उन्हें रामसा पीर के रूप में पूजते हैंए यह समरसता और भक्ति का अद्भुत उदाहरण है।

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को रामदेवरा में सक्षम संस्था द्वारा आयोजित बाबा रामदेव नेत्र कुंभ 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन हमारी आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ मानव सेवा और करुणा का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और यह नेत्र कुंभ उसी सेवा भाव का जीवंत प्रतीक है। राज्यपाल ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि यह शिविर वंचितए जरूरतमंद एवं दृष्टिबाधित लोगों के जीवन में नई रोशनी लाने का पुण्य कार्य कर रहा है।

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि आँखें ईश्वर का अनमोल उपहार हैंए जो जीवन को देखने और उसे पूर्णता से जीने की शक्ति देती हैं। उन्होंने नेत्र कुंभ जैसे आयोजनों को समाज सेवा का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि भारत में 50 वर्ष से अधिक आयु के 1ण्99: लोग अंधेपन से पीड़ित हैंए जबकि 66ण्2: लोग मोतियाबिंद जैसी गंभीर नेत्र समस्याओं से ग्रसित हैं। ऐसे में रामदेवरा में सक्षम संस्था द्वारा आयोजित नेत्र कुंभ एक ऐतिहासिक व सराहनीय पहल हैए जो जागरूकता और उपचार दोनों का सशक्त माध्यम बन रही है।

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि नेत्र कुंभ केवल नेत्र जांच या चश्मे वितरण तक सीमित नहींए बल्कि यह उन जरूरतमंदों के जीवन में रोशनी लाने का संकल्प हैए जो नेत्र चिकित्सा से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि एक माह से अधिक चलने वाले इस शिविर से लाखों लोगों को लाभ मिला हैए जो इसकी अभूतपूर्व सफलता को दर्शाता है।

समारोह में राज्यपाल द्वारा अभ्युदय की ओर नामक पुस्तक का विमोचन किया गया है।

'राज्यपाल ने किया नेत्र कुंभ शिविर का अवलोकन*

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने नेत्र कुंभ शिविर का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने शिविर में की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मरीजों को अपने हाथों से चश्मा पहनाया एवं उपचार के लिए आए मरीजों से संवाद कर उनकी समस्याएं और अनुभव जाने।

राज्यपाल ने शिविर में उपलब्ध करवाई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह शिविर सेवाए करुणा और मानवता का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास समाज के उन वर्गों तक रोशनी पहुंचाते हैंए जो आर्थिक या भौगोलिक कारणों से समुचित चिकित्सा सुविधा से वंचित रह जाते हैं।

इस दौरान सक्षम संस्था के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल को नेत्र कुंभ शिविर की संपूर्ण कार्यप्रणालीए उपचार की प्रक्रियाए नेत्र परीक्षणए चश्मों का वितरणए नेत्र ऑपरेशन की योजना एवं नेत्रदान अभियान से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। राज्यपाल ने संस्था के सेवाभावी कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरीए राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीए महानिरीक्षकए सीमा सुरक्षा बल फ्रंटियरए जोधपुर एम. एल. गर्गए डॉ. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपालए सक्षम संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम पुरोहितए प्रदेश सचिव कुलदीप मिश्राए महासचिव खेताराम लीलड़ए बाबा रामदेव वंशज गादीपति भोमसिंह तंवरए जिला स्तरीय अधिकारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

.....

सर्वेन्द्रियाणां नयनं प्रधानम्
॥ पश्येम शरदः शतम् ॥
सर्वेन्द्रियाणां नयनं प्रधानम्
॥ पश्येम शरदः शतम् ॥
लोकदेवता बाबा रामदेव